रा.स्व.संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ. मनमोहन वैद्य द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य, बंगलुरु, 13 मार्च, 2014.

रा.स्व.संघ के पूर्व प्रचारक एवं पूर्व सहसरकार्यवाह श्री के.सी. कन्नन को दायित्व से मुक्त करने के संदर्भ में माध्यमों में आये समाचार, जो कि इस निर्णय के पीछे कोई आपत्तिजनक कारण है, सरासर निराधार एवं दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से ग्रसित है.

श्री कन्नन सहसरकार्यवाह पद तथा प्रचारक जीवन से उनके ही अनुरोध पर मुक्त किये गए है, न कि निकाले गए है. शारीरिक अस्वस्थता के कारण गत वर्ष उन्हें दो-तीन बार अस्पताल में दाखिल करना पड़ा था. विगत नवम्बर 2013 में ही उन्हों ने सरसंघचालक तथा सरकार्यवाह को प्रचारक रहने एवं अपना दायित्व निर्वहन करने में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हुए उन्हें मुक्त कर व्यक्तिगत जीवन अपनाने की अनुमति मांगी थी. तदनुसार, सरकार्यवाह श्री भय्याजी जोशी ने बंगलुरु में हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, मार्च 2014 में उन्हें मुक्त करने की घोषणा की.

तथापि, कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा अफवाएं फैलाकर संघ की छबि को मलीन करने का दुरुद्देश्यपूर्ण प्रयास होता दिख रहा है. संघ ऐसे प्रयासों की तीव्र भर्त्सना करता है. प्रचारक के नाते कार्य करने का निर्णय कार्यकर्ता की स्वयं की अपनी इच्छानुसार होता है. वर्षों तक प्रचारक रहकर फिर अपने व्यक्तिगत जीवन में लौटकर संघ समेत विविध सामाजिक कार्यों में सक्रीय रहनेवाले असंख्य कार्यकर्ताओं के उदाहरण है, जों संघ में कोई अस्वाभाविक नहीं है.

इस सन्दर्भ में मै मिडिया से अनुरोध करता हूँ कि निराधार समाचारों के जरिये विषय को अतिरंजित न करें.

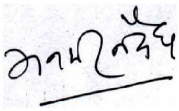

मनमोहन वैद्य

बंगलुरु, 13 मार्च,2014

(This Press release has been issued through Vishwa Samvada Kendra, Karnataka on 13-3-2014)